केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	(...कों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	(...कों में)
1			17		—
2		—	18		—
3			19		—
4			20		—
5		—	21		—
6		—	22		—
7		—	23		—
8		—	24		
9		—	25		
10		—	26		
11		—	27		
12		—	28		
13		—			
14		—			
15		—	कुल प्राप्तांक शब्दों में		
16					

...परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

→ प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
साधना शर्मा (व्याख्याता) शा.उ.मा.वि. भातगुवाँ परीक्षा क्र. 1205 221043-2	Pallavi Paleriya (UMS) Govt.Excellence No.1 Chhatarpur V.No.- 22...1-21

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न.1- सही विकल्प -

(i) (ब) भी
(ii) (अ) 1556
(iii) (स) दो
(iv) (ब) अर्थालंकार
(v) (अ) भगत जी
(vi) प) मराठी

प्रश्न.2- रिक्त स्थान -

(i) जैनेन्द्र कुमार
(ii) तीन
(iii) पाठशाला
(iv) वेब दुनिया
(v) भार
(vi) व्यतिरेक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न.3 सत्य / असत्य लिखिए -

(i) सत्य
(ii) सत्य
(iii) सत्य
(iv) सत्य
(v) असत्य
(vi) असत्य

प्रश्न.4 सही जोड़ी बनाकर लिखिए -

	'क'	'ख'
(i)	कथानक	→ (क) कहानी
(ii)	संस्कृत के मूल शब्द	→ (ई) तत्सम
(iii)	यशोधर बाबू	→ (इ) सिल्वर वैडिंग
(iv)	अंतरंग साक्षात्कार	→ (ख) डायरी
(v)	हरिवंशराय बच्चन	→ (द) हालावाद
(vi)	प्रगतिवाद	→ (अ) 1936
(vii)	यशोधरा	→ (ब) चंपू काव्य

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न.5- एक वाक्य में उत्तर -

(i) मुअनजोदड़ो
(ii) 15 - 30 मिनट (पंद्रह - तीन मिनट)
(iii) धर्मवीर भारती
(iv) निर्वेद
(v) ~~कल~~ दुनिया रोज बनती है
(vi) दो
(vii) मुसीबत से बचना

BSE

उत्तर क्र. - 6

क्तिन के आ जाने से महादेवी वर्मा के खान - पान तथा हन - सहन में ग्रामीण लोगों की तरह बदलाव आया जैसे - रात को बना मकई का दलिया सुबह मट्ठा के साथ खाना, भुट्टे की खिचड़ी और सफेद महुए की लपसी खाना आदि।
इस तरह वह अधिक देहाती हो गई।

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. - 7

कहानी	उपन्यास
1. कहानी में जीवन की किसी एक प्रभावशाली घटना का वर्णन होता है।	1. उपन्यास में संपूर्ण जीवन की सहज अभिव्यक्ति होती है।
2. कहानी का आकार छोटा होता है इसलिए इसे कम अवधि में पढ़ा जा सकता है।	2. उपन्यास का आकार बड़ा होता है इसे एक बैठक में नहीं पढ़ा जा सकता है।

उत्तर क्र. - 8 (अथवा)

राष्ट्रभाषा की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :-

1. राष्ट्रभाषा देश के अनेक प्रदेशों के बहुतायत लोगों द्वारा बोली जाती है इसलिए इसका क्षेत्र विस्तृत होता है।
2. राष्ट्रभाषा पूरे देश में संपर्क भाषा का कार्य करती है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. - 9 (अथवा)

(i) बालक रोया और चुप हो गया ।
(ii) मयूर शायद वन में नाचता है । या
शायद मयूर वन में नाचता है ।

B
S
E

उत्तर क्र. - 10

मुअनजोदड़ो की नगर नियोजन की दो विशेषताएं निम्नलिखित है :-

1. मुअनजोदड़ो में पक्की तथा समान आकार की धूसर रंग की ईंटों का प्रयोग किया गया है।
2. सड़कों तथा नालियों की व्यवस्था उत्तम थी। नालियों को ढंका जाता था। घर के दरवाजे मुख्य सड़क की ओर नहीं खुलते थे।

कुल अंक

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. - 11 (अथवा)

मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिये ध्यान रखने योग्य बातें निम्नलिखित है -

1. मुद्रित माध्यम में वर्तनी, शैली आदि पर विशेष ध्यान देना चाहिए। प्रचलित भाषा के प्रयोग पर जोर देना चाहिए।
2. लेखन तथा प्रकाशन के दौरान होने वाली गलतियों को सुधारना चाहिए।

B
S
E

उत्तर क्र. - 12

बच्चे माता-पिता द्वारा लाने वाले भोजन की आशा में नीड़ों से झांक रहे होंगे। इसके साथ वे अपने माता-पिता का स्नेहिल स्पर्श पाने के लिये भी उत्सुक रहते है।

कुल अंक
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र० -13 (अथवा)

प्रयोगवाद के प्रवर्तक 'सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन' है जिन्हें 'अज्ञेय' के नाम से जाना जाता है।

प्रयोगवाद की दो विशेषताएं -
1. जीवन के प्रति अति यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाया गया है।
2. इस काव्य में वासनाओं तथा कुण्ठाओं का चित्रण किया गया है।

उत्तर क्र० -14 (अथवा)

खण्डकाव्य	महाकाव्य
1. खण्डकाव्य का आकार छोटा होता है।	1. महाकाव्य का आकार खण्डकाव्य की अपेक्षा बड़ा होता है।
2. खण्डकाव्य में पात्रों की संख्या कम होती है।	2. महाकाव्य में पात्रों की संख्या खण्डकाव्य की अपेक्षा अधिक होती है।

कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. - 15 (अथवा)

वीर रस - सहृदय के हृदय में स्थित उत्साह नामक स्थाई भाव का जब विभाव, अनुभाव तथा संचारी भाव से संयोग होता है तब वीर रस की निष्पत्ति होती है।

उदा. - बुंदेले हरबोलों के मुँह, हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी, वह तो झाँसी वाली रानी थी॥

उत्तर क्र. - 16

महादेवी वर्मा

(i) दो रचनाएँ - नीरजा, रश्मि

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(ii) भाषा-शैली – महादेवी वर्मा जी की भाषा अत्यंत प्रांजल, प्रौढ़ तथा स्पष्ट है। महादेवी जी के गद्य की भाषा संस्कृतनिष्ठ होते हुए भी सरस तथा प्रवाहपूर्ण है। उनके लेखन की प्रमुख तीन शैली है – विवेचनात्मक, विचारात्मक तथा कलात्मक।
वह अपनी कविताओं में आंतरिक वेदना और पीड़ा को व्यक्त करती हुई इस लोक से परे किसी और सत्ता के प्रति अभिमुख दिखलाई पड़ती है।
उनके संस्मरण तथा रेखाचित्र अपने आस-पास के ऐसे प्रसंगों तथा चरित्रों को लेकर लिखे गये है जिनकी साधारणता हमारा ध्यान नही खींच पाती है परंतु महादेवी जी की मर्मभेदी और करुणामयी दृष्टि उनकी साधारणता में असाधारण तत्वों का संधान करती है।

(iii) साहित्य में स्थान – महादेवी जी छायावाद के प्रमुख स्तंभों में से एक है।
संस्मरण तथा रेखाचित्र लेखन की शुरुआत कर अप्रतिम गद्यकार के रूप में भी जानी जाती है।

पृष्ठ 11 के अंक   कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. -17 (अथवा)

मुहावरा	लोकोक्ति
1. ऐसा वाक्यांश जिसका अर्थ सामान्य अर्थ से भिन्न, विलक्षण तथा चमत्कारिक होता है मुहावरा कहलाता है।	1. साहित्य में प्रचलित वह वाक्यांश जो स्वंय में पूर्ण वाक्य होता है लोकोक्ति कहलाता है।
2. मुहावरे के प्रयोग के लिये किसी भी तद्नुरूप संदर्भ की आवश्यकता नही होती है।	2. लोकोक्ति के प्रयोग के लिये तद्नुरूप संदर्भ की आवश्यकता होती है।
3. मुहावरे में प्राय: लक्षणा की प्रधानता होती है। मुहावरा अविकारी होता है।	3. लोकोक्ति में व्यंजना की प्राधनता होती है। लोकोक्ति विकारी होती है।
उदा० - नौ दो ग्यारह होना	उदा० - अपनी - अपनी ढपली अपना - अपना राग

BSE

यो कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. - 18

किराक गोरखपुरी

(i) दो रचनाएँ - उर्दू गजलगोई , बज्मे-जिंदगी

(ii) भावपक्ष - उर्दू शायरी का बड़ा हिस्सा रूमानियत, रहस्य तथा शास्त्रीयता से जुड़ा है। इस कारण प्रकृति के पक्ष में इसकी कम रचनाएँ मिलती रही परंतु इस रिवायत को नजीर अकबराबादी, इल्ताफ हुसैन के समान फिराक गोरखपुरी ने तोड़ा। उन्होनें अपनी रचनाओं में प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन किया गया। आम भाषा में अपनी बात कही।

कलापक्ष - उनकी शायरी में हिंदी का घरेलु रूप दिखता है। उनकी रचनाओं मे भारतीय संस्कृति की झलक स्पष्ट दिखाई पड़ती है। उनकी रचनाएँ सूरदास के वात्सल्य रस का अनुभव कराती है।
~~उन्होनें~~ उन्होनें मुहावरेदार तथा लाक्षणिक रूप से अपनी बात कही।

B S E

पृष्ठ 13 के अंक कुल अंक

मध्यप्रदेश

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

साहित्य में स्थान – फिराक़ गोरखपुरी सर्वश्रेष्ठ शायरों में से एक हैं।

उत्तर क्र. – 19 (अथवा)

B 1. गद्यांश का उचित शीर्षक ~~राष्ट्रीय~~ 'देशप्रेम तथा शौर्यभाव' है।
S 2. राष्ट्रीय भावना में शौर्यभाव का विशिष्ट स्थान है।
Γ 3. सुदीर्घ शब्द का अर्थ बहुत लम्बा और दीर्घकालीन है।

14

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. -20 (अथवा)

संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह भाग-2 के 'उषा' नामक पाठ से लिया गया है। इसके रचनाकार 'शमशेर बहादुर सिंह' जी है।

प्रसंग - प्रस्तुत पद्यांश में कवि शमशेर जी ने सूर्योदय के पूर्व के वातावरण का वर्णन किया है।

व्याख्या - शमशेर जी लिखते है कि सुबह के समय नभ मतलब आकाश का रंग नीला है जिस प्रकार शंख का रंग रहता है।
उन्होंनें प्रात: काल के नभ का वर्णन किया है।
उन्होंनें पद्यांश में ग्रामीण परिवेश को भी ~~के~~ दर्शाया है। गाँवों का में चौका राख से लीपा जाता है। चौका अभी भी गीला पड़ा है।
शमशेर जी लिखते है कि सिल काली है।
काली सिल इस प्रकार प्रतीत हो रही है जैसे कि उसे लाल केशर से धो दिया है। वास्तव में सिल पर लाल मिर्च की चटनी बाँटी/पीसी गई जिससे वह लाल हो गई है।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र० -21 (अथवा)

संदर्भ - प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह भाग -2 के गद्य खंड से लिया गया है। पाठ का नाम 'भक्तिन' है तथा लेखिका 'महादेवी वर्मा' है।

प्रसंग - प्रस्तुत गद्यांश में बताया गया है कि भक्तिन ~~की~~ के प्रति उसके पति का प्रेम उसकी जिठानियों के व्यवहार से किस तरह भिन्न था।

B
S
E

व्याख्या - महादेवी जी कहती है कि ऐसा कोई दंड नियम ~~है~~ था जिसके अनुसार भक्तिन जैसी खोटे सिक्के को अपने ~~प्रति~~ पति से अलग किया जा सकता था। उसकी जिठानियां उसकी चुगली उसके पति से करती थी परंतु उसके पति का प्रेम उसके प्रति कभी कम न हुआ। उसकी जिठानियां बात-बात पर अपने पतियों द्वारा पीटी जाती थी। जबकि उसके पति ने उसको कभी एक उंगली भी नहीं छुआई। वह बड़े बाप की बड़ी बात वाली बेटी को जानता था।

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 16 के अंक | कुल अंक

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

BSE

उत्तर क्र. - 22 (अथवा)

नेहरु नगर,
भोपाल
दिनाँक - 6/10/20xx
प्रिय मित्र
सादर नमस्कार

खुशी, मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा करती हूँ कि तुम भी इंदौर में स्वस्थ होगी। तुम्हें तो पता ही होगा कि मैं अपने बड़े भाई की शादी के लिये बहुत समय से उत्सुक थी। अब वो शुभ बेला आ चुकी है। मेरे भाई की शादी 10/10/20xx को तय हुई है। शादी के सारे रिति - रिवाज घर पर ही संपन्न होंगे। मैं चाहती हूँ कि तुम इस उत्सव पर आओ। मेरा निवेदन है कि तुम शादी से 4-5 दिन पहले यहाँ आ जाओ। हम सभी इस शादी का आनंद लेंगे।
चाचा जी और चाची जी को मेरा नमस्कार कहना।

तुम्हारा अभिन्न मित्र
प्रतीक्षा।

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र० -23

'विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व'

1. प्रस्तावना - मानव जीवन तथा संसार नियमों से आबद्ध है। ये नियम कई प्रकार के हो सकते हैं जैसे - प्राकृतिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक आदि। इन नियमों का पूर्ण रूप से पालन अनुशासन कहलाता है।

B S E

2. अनुशासन की आवश्यकता - प्रत्येक कार्य को अच्छे ढंग से करने के लिये अनुशासन आवश्यक है। सामाजिक तथा राजनैतिक नियमों से देश का कल्याण होता है। अनुशासन के पालन से आत्मकल्याण के साथ-साथ लोककल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

प्रश्न क्र.

3. जीवन और अनुशासन – जीवन निर्माण में अनुशासन परम आवश्यक है। अनुशासहीन जीवन की सर्वत्र निंदा होती है। अनुशासन सफल जीवन का सोपान है। जीवन की सफलता का रहस्य अनुशासन में निहित होता है।

B
S
E

4. विद्यार्थी जीवन में अनुशासन – विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की नितांत आवश्यकता होती है। बच्चों को अनुशासन बाहर से नहीं थोपना चाहिए। उनमें अनुशासन का महत्व अंदर से जगाना चाहिए।

5. उपसंहार – विद्यार्थी जीवन में इसे सीखने की अधिक आवश्यकता है क्योंकि यह अवस्था जीवन निर्माण की नींव होती है। भूतकाल में जिन लोगों तथा देशों का शासन वह उनके अनुशासन का प्रतिफल था। भारत में मुगल शासन की स्थापना का कारण उनके सैन्य-शक्ति का अनुशासन रहा। भविष्य में जो व्यक्ति, देश प्रगति करेंगे उसका कारण अनुशास[illegible] होगा।